

11-9/25

पयावली पेश हुई। वारीगण/पुत्रीवारीगण तथा उनके अधिकतम को कितनी ही अर्थात् विधिवत आवधि लगवायी जाने के उपरान्त भी उपस्थित नहीं होने से वारीगण का वादपत्र अहम धा जरी अहम पेशी में शकारीय किया जाता है। पयावली पैललसुमार होकर नम्बर से कम है।

पयावली पेश हुई। वारीगण/पुत्रीवारीगण तथा उनके अधिकतम को कितनी ही अर्थात् विधिवत आवधि लगवायी जाने के उपरान्त भी उपस्थित नहीं होने से वारीगण का वादपत्र अहम धा जरी अहम पेशी में शकारीय किया जाता है। पयावली पैललसुमार होकर नम्बर से कम है।

25/9/25

21

पयावली पेश हुई। वारीगण/पुत्रीवारीगण तथा उनके अधिकतम को कितनी ही अर्थात् विधिवत आवधि लगवायी जाने के उपरान्त भी उपस्थित नहीं होने से वारीगण का वादपत्र अहम धा जरी अहम पेशी में शकारीय किया जाता है। पयावली पैललसुमार होकर नम्बर से कम है।